viduals in several places. I do not think any such scheme is under contemplation.

*824. [*The questioner (Shri Ram Singh) was absent. For answer* vide *col.* 4849 infra.]

*825. [*The questioner (Shri V.M. Chordia) was absent. For answer,* vide *col.* 4849-50 infra.]

*826. [*The questioner (Shri Sitaram Jaipuria was absent. For answer,* vide *col.* 485 -51 infra.]

A.I.R. BULLETIN

*827. PROF. SATYAVRATA SIDDHANTALANKAR : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the All India Radio News Bulletin in Nepali is translated from Hindi News Bulletin;

(b) whether it is also a fact that News Bulletins in Urdu and other regional languages are translated from English News Bulletin; and

(c) if so, what are the reasons for which Urdu and other regional News Bulletins cannot be directly translated from Hindi News Bulletins ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROAD EASTING (SHRI RAJ BAHADUR) : (a) and (b) Yes, Sir.

(c) The staff engaged for Urdu and other regional language News Bulletins are not always sufficiently conversant with Hindi and as such these news bulletins are not directly translated from Hindi News Bulletins.

प्रो० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार : नेपाली का जो बुलेटिन निकलता है, वह तो हिन्दी से अनुवाद किया जाता है, लेकिन गुजराती, मराठी, बंगाली जो कि हिन्दी की समकक्ष भाषाएं हैं उनका अनुवाद अंग्रेजी के माध्यम से होता है । मैं यह जानना चाहता हूं कि उनका अनुवाद हिन्दी के माध्यम से क्यों नहीं होता ? आपका कहना यह है कि वे अंग्रेजी को ज्यादा जानते हैं, हिन्दी को कम जानते हैं, लेकिन मेरा खयाल यह नहीं है । जो गुजराती, मराठी आदि भाषाएं हैं, जो हिन्दी के समकक्ष हैं और जिनके अन्दर उन शब्दों का प्रयोग होता है जिनका हिन्दी में प्रयोग होता है, वे हिन्दी से क्यों नहीं अनुवाद करते ?

श्री राज बहादुर : नेपाली जानने वाले बहुधा हिन्दी जानते ही हैं, लेकिन तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और दूसरी प्रादेशिक भाषाओं के जानने वाले हिन्दी जानते ही हों और उतनी अच्छी तरह जानते हों जितनी आवश्यकता है, ऐसा अनिवार्य नहीं है । इसलिये यह उचित समझा गया है कि जहां तक और प्रादेशिक भाषाएं हैं, उनको यह सुविधा दी जाय कि वे अंग्रेजी से अनुवाद कर लें ।

प्रो० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार : मंत्री महोदय ने जानबूझ कर तमिल, तेलुगू का इस्तेमाल किया है ।

श्री राज बहादुर : आपने जानबूझ कर गुजराती, मराठी का इस्तेमाल किया है ।

प्रो० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार : आप बताइए कि गुजराती, बंगाली, मराठी जिनके शब्द हिन्दी जैसे हैं उनका हिन्दी से क्यों नहीं अनुवाद कराया जाता है ?

श्री राज बहादुर : जहां तक ऐसी भाषाएं हैं जो हिन्दी के समकक्ष हैं, जैसा आपने बताया, मैं इस बात की चेष्टा करूंगा कि उनका अनुवाद हिन्दी से किया जाय, लेकिन इसमें किसी प्रकार की पाबन्दी लगाना शायद उचित नहीं होगा ।

प्रो० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार : पाबन्दी आपने लगा रखी है । आप अंग्रेजी के द्वारा उनका अनुवाद कराते हैं, यह पाबन्दी नहीं है ?

श्री राज बहादुर : मैंने सुविधा रखी है, पाबन्दी नहीं रखी है ।

प्रो० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार : सुविधा आप हिन्दी के लिये क्यों नहीं करते ।

SHRI K. DAMODARAN : In order to enrich Hindi language, is it not possible to translate from Malayalam and Tamil into Hindi also ? Is that being undertaken ?

No reply

प्रो० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार : एक छोटी सी बात मैं कहना चाहता हूं ।

श्री सभापति : आप बात कहना चाहते हैं या सवाल करना चाहते हैं ?

प्रो० सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार : हमें हिन्दी को और अन्य भाषाओं को समृद्ध करना चाहिए । कई ऐसे टेकनीकल शब्द हैं जो सब भाषाओं के अन्दर समान होने चाहिएं । हिन्दी के अन्दर उनका प्रयोग अलग है । ये भाषाएं जो गुजराती, मराठी वगैरह हैं उन टेकनीकल शब्दों का आसानी से प्रयोग कर सकती हैं जो हिन्दी में प्रयुक्त होते हैं । उस सुविधा को देने के लिए तैयार हैं ?

श्री राज बहादुर : मैंने विचार प्रगट किया है लेकिन विचार तो विचार है जब तक ठोस तरीके से उसको कार्यान्वित न किया जाय । जितने हमारे शब्द हैं जिनका साधारण तरीके से सब भाषाओं में प्रयोग किया जाता है उनको एकत्र किया जाय और सब भाषाओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाय कि वे अधिकाधिक मात्रा में उनका उपयोग करें ।

*709. [*The questioners (Shri M. M. Dharia and Shrimati Tara Ramchandra Sathe) were absent. For answer,* vide *col.* 4851 infra.]

PAKISTANI ARMY OFFICERS TRAINING IN CHINA

807. SHRI U. S. DUGAL : †

†SHRI RAMGOPAL GUPTA :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the Press reports to the effect that Pakistani Army Officers are being given intensive training in guerilla warfare in China ; and

(b) if so, what is the reaction of the Government to such reports ?

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri U. S. Dugal.

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SARDAR SWARAN SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) It is known that some Pakistani Army and Air force personnel have visited China for training purposes. But no definite information about the types of training is available. This is further proof of Sino-Pak collusion.

SHRI I. K. GUJRAL : From time to time reports are coming in the Press about Pakistan-China collusion and we have to ask only small questions to elicit information. May I ask the hon. Minister if he would circulate for public information the details of Pakistan-China collusion in various spheres so that the public here and abroad can learn to what extent it has gone?

SARDAR SWARAN SINGH : Collusion is generally inferred from circumstances and it is very difficult to list in a chronological order all these things and I think the latest display of Chinese-made arms in their parade should not leave the world in any doubt about the type of relationship that exists today between China and Pakistan.

SHRI B. K. P. SINHA : The question relates to training in guerrilla warfare. I do not know why it was put to the External Affairs Ministry and not to the Defence Ministry. Anyway, may I know if there is any unit in any Ministry of the Government of India to deal with insurgency and counter-insurgency ? Has any step been taken or is any step being taken for training in guerrilla warfare and anti-guerrilla warfare and profit especially from the experience gained by nations in countering guerrilla warfare ? It is known as counter-insurgency. Is there any such unit and, if so, under what Ministry ? In many countries these units are placed outside the Defence Ministry, they are controlled by some civilian organisation.

SARDAR SWARAN SINGH : I will get all this information from the hon. Minister outside and then try to benefit by the points that he has raised in his question.

SHRI M. P. BHARGAVA : May I know from the hon. External Affairs Minister whether he proposes to bring forward a